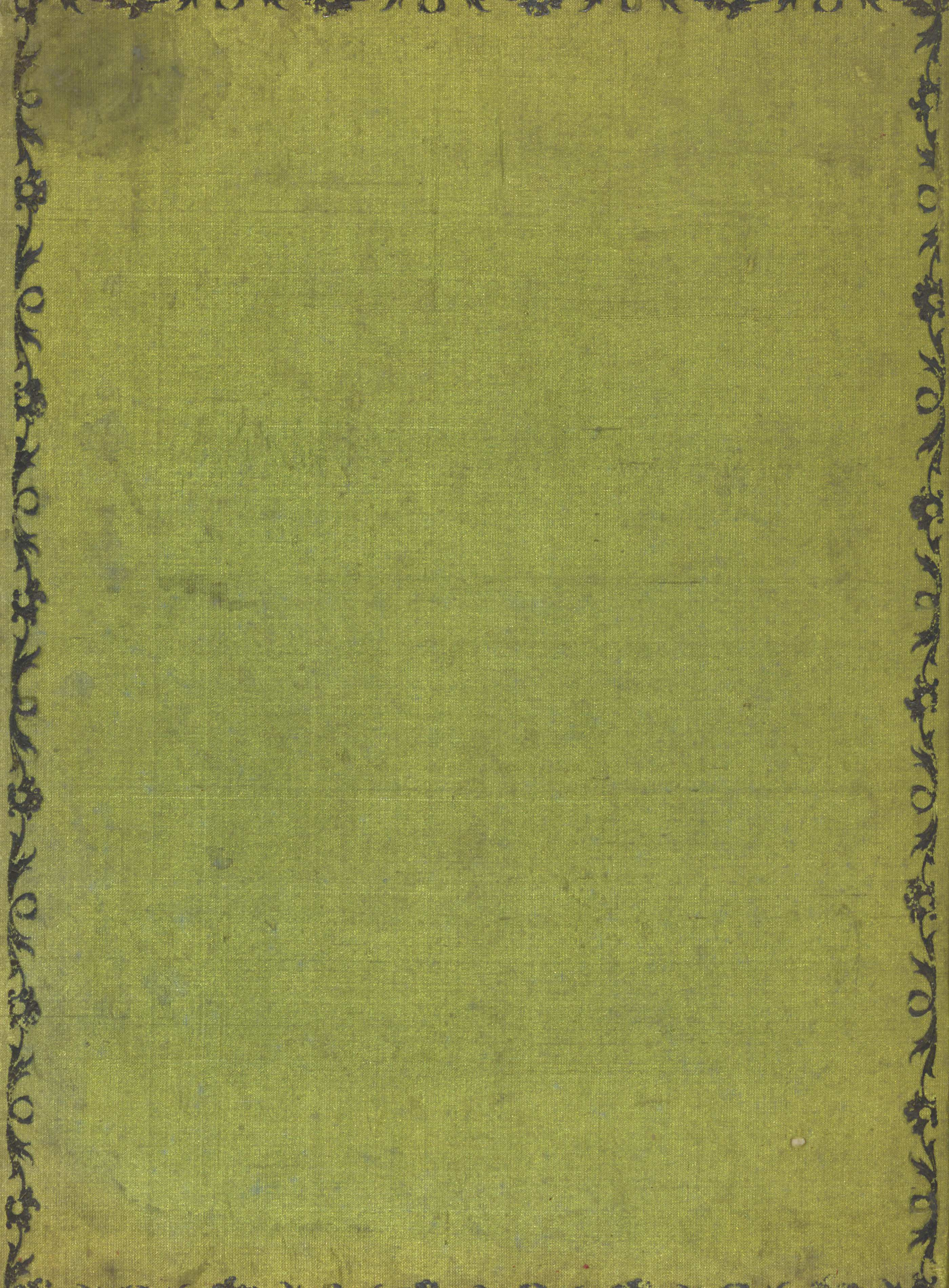



Томъ 4 Стран 161.
...орская
...кная
...бліотека
№. 232.
Зала 18
Шкафъ 155.
Полка 2
№ 7

ЗА
Ш
П
№

ЗА
Ш
ПО

ОДА

на

всеобщее Россамъ и Грекамъ всерадостное торжество

ТЕЗОИМЕНИТСТВА

ВЕЛИКАГО ВСЕРОССІЙСКАГО КНЯЗЯ

КОНСТАНТИНА ПАВЛОВИЧА

Маїя 21 дня, 1781 года.

Всеусердно приноситъ Георгїй Балдани.

ὨιΔΗ

Ἐπὶ τῇ κοινῇ Ῥῶσι τε καὶ Ἕλλησι χαρμοσύνῳ Πανηγύρει

ΤΗ͂Σ ἘΠΩΝΥ͂ΜΟΥ ἩΜΕ͂ΡΑΣ

Τοῦ

ΜΕΓΑ͂ΛΟΥ ΔΟΥΚΟ͂Σ ῬΩΣΣΙ͂ΗΣ

ΚΩΝΣΤΑΝΤΙ͂ΝΟΥ ΠΑΥΛΙ͂ΔΟΥ.

τῇ κά. Μαΐου, τοῦ 1781. χρόνου.

Πρόθυμος προσφορὰ Γεωργίου Μπαλδάνη.



Πετρουπόλει·

Παρὰ τῇ Αὐτοκρατορικῇ Ἀκαδημίᾳ τῶν Ἐπιστημῶν·



ОДА.

День насталъ превождел́енный
Паки зримъ веселый часъ,
КОНСТАНТИНЪ Тезоименный
Къ радости взываетъ насъ.
Духъ мой ободрите музы,
Стройте вашихъ лиръ союзы,
Влейте въ душу жаръ, мою.
Вихри гласъ мой не прервите,
Бурны в́етры не шумите,
Стихъ я новый воспою.

Море



ὨΙΔΗ'

Ἱμερόεν τόδ' ἔπεσιν ἦμαρ,

Τερπνὸν δὲ θ' ὁρώμεθα χρόνον·

Ψυχὰς ΚΩΝΣΤΑΝΤΙ͂ΝΟΣ, γήθους

Ἡμῶν πληρώσατ' Ἐπώνυμος.

Νῦν μοι ἤτορι σθένος πόροιτε

Μοῦσαι, καίγε θάλποιτε θυμὸν,

Φόρμιγγ' ἀραρῦαι λιγεῖαν·

Αὐτοὶ νῦν τε λαίλαπες λάβροι

Ἄνεω δ' ἔςε, λήγετε πνοιὰς,

Μὴ καινὸν μοι συγχέητε μέλος.

 Ἄλς,

❦ ✦ ❦

Море, горы и долины,

И струи плещите рѣкъ,

Мудрыя ЕКАТЕРИНЫ

Возвѣстимъ блаженный вѣкъ.

Да познаетъ вся вселенна

Россовъ коль судьба отмѣнна,

Коль къ нимъ склонны небеса.

Въ сѣверѣ звѣзда днесь блещетъ,

Лучь на Грековъ коя мещетъ

Ихъ прельщая очеса.

* * *

Съ горнихъ мѣстъ на долъ взирая

Украшающїй Эѳиръ,

Ты что лучь свой простирая

Освѣщаешь цѣлый мїръ!

О! всезрящая планета

Око неусыпно свѣта!

Путь по небу свой водя,

Сей достигшей насъ отрады

Села, и моря и грады

Будь свидѣтель, проходя.

Какъ

Ἅλς, οὔρεα μακρά τε, βῆσσαι
Καὶ γε ποταμῶν κροτέοιτε
Ῥεῖθρα, Δίης ΑἸΚΑΤΕΡΙΝΗΣ
Ὄλβιον ἀγγείλατ᾽ αἰῶνα.
Ἴστω τόδ᾽ ἅπας ὑπ᾽ ἠῶ κόσμος,
Ῥώσσων ἔξοχος ὅιη περ αἶσα.
Ὡς δ᾽ ἔξοχ᾽ ὄλυμπος φιλέει,
Ἠδ᾽ ὀυδ᾽ ἐλπὶς μαψιδίη,
Τὰν ἀστέρα θῆκ᾽ ἐπὶ βόρειον
Ἕλλην, ἑᾶς περὶ ἐλευθερίης.

* * *

Ὁ δ᾽ ἐξ αἰθέρος ἁψῖδος αἶαν
Ἐσβλέπων, σὺ γε κόσμος ὀλύμπου,
Φαύσιας χύδην ὑψόθι βάλλων
Θνητοῖσιν ἅπασιν ὃς φαίνεις,
Τιτὰν, ὃς πάντ᾽ ἐφορᾷς, πάντα τ᾽ οἶδας,
Ὄμμ᾽ ἀκάμαν, ἐγρήγορόν τε·
Σὸν δὶ ὀλύμποιο οἶμον ἐλαύνων,
Ἁμετέραν τάνδε τὰν εὐθυμίαν
Πελάγεά τε, πτόλιάς τε
Ὄυρη τε, ἄγγελ᾽ ἀμείβων.

❧ ✝ ❧

КакЪ Еллады на границу
Взыдеши вЪ страну мою,
Огненную колесницу
ТамЪ останови свою.
Возвѣсти нещастну роду
ТомныхЪ мукЪ его свободу,
ЧтобЪ не плакалЪ, не рыдалЪ.
ЧасЪ, вЪ которой свергнетЪ бремя
Утѣсненно рокомЪ племя,
Се явился! се насталЪ!

* * *

Естьли вѣрно пророченье,
Вѣрны мудрыхЪ словеса,
Се пророчествЪ совершенье
ПосылаютЪ небеса!
Сильный ГеркулесЪ явился,
ЗваньемЪ, и страной родился
По глаголамЪ, новый ФебЪ.
Не на Делоса вершинѣ,
ВЪ движимой, крутой пустынѣ,
Не изЪ седьмивратныхЪ ТебЪ.

ИзЪ

Ἑλλάδα δ' ἀνίκα χθόνα

Ἐμὰν σὺ ἀφίκῃ πάτραν,
Στῆθι βαιόν τι, τέθριππον σὸν
Πυρίπνοον ἰχόμενος ἅρμα.
Ἧς δε λαοῖσιν ἄγγειλον
Ὀϊζυροῖσ', ἐλευθέριον ἦμαρ,
Δουλέιης συγερῆς, οἳ μένουσι
Λύσιν. Ἀνὶ γὰρ ἔπεσι χρόνος
Ἐρατεινὸς, ἄχθος, ᾧπερ, φῦλον
Ἀπώσεται τόδε πολύτλαν.

* * *

Εἰ γὰρ σοφῶν θεοπρόπων

Ῥήσιες νημερτέες, ἀνὶ δη
Τὰς δε πληρόοι νυνὶ τὸ θεῖον.
Ἴφθιμος γένατ' ὧδ' Ἡρακλῆς.
Ἐν δε κλήσει τε, χώρῳ τε
Ὁμοῖος λόγῳ φαάνθη
Φοῖβος φαίδιμος ἴδε, ὀυ Δήλῳ
Νήσῳ ἐνὶ ἀμφιρύτῳ γε,
Κραναῇ, τρεμαινούσῃ τ' ἐρήμῳ,
Ὀυδ' ἄρ Θήβαισιν ἐν ἑπταπύλοις.

Βορῆθεν

Изъ полунощи блистаетъ
От румянныхъ тѣхъ колѣнъ,
Коихъ вѣра просвѣщаетъ,
Кои громки межъ племенъ.
Вѣру Греки симъ Героямъ,
Симъ непобѣдимымъ воямъ,
Древле предали въ залогъ.
Да велики сыны Россовъ
Дерскихъ сокрушатъ колоссовъ,
Да сотрутъ ихъ гордый рогъ.

* * *

Встани убо сынъ денницы
И бронею облачись,
Съ крѣпостью твоей десницы
Въ поле выйди, ополчись.
Презри жмущи узы рока.
Медлѣннаго росту тока
Въ племяни Петровомъ нѣтъ.
Нѣжны руки, но геройски
Годны править цѣлы войски,
Цѣлый завладѣти свѣтъ.

Встань

Βορῆθεν ὁδὶ μέγα μαρμαίρει,
Ἔθνεσι τοῖσι πάρα ξανθοῖσι,
Μενεχάρμοις τ' ἐρικυδέσιν
Ἐπ' αἶαν, αὐγάσδει ὃυς περ
Θειοσεβέη, ἐγγύην ἅτ' Ἀχαιὸι
Ἡρώεσι τοῖσινδε τοῖς ἀταρβέσι
Τὰν πορίσαντο πάλαι. Ῥώσων
Ὑιες ὄφρα μεγάθυμοι, δηΐων
Προσβολὰς θράυοιεν ὑπερφιάλων,
Ὀφρὺν θ' ὧν καταβάλλοιντο ἶφι.

* * *

Ἔγρεο δ' οὖν Ἠόος φαίδιμον
Τέκος, κυνέην δύσο, θώρακά τε,
Σάκος τε· ἐν δ' ἄορ χειρὶ
Λαβὼν δεξιτερῇ στρατὸν δε
Βαῖνε, εἱμαρμένης βραδεῖς
Σὺ ῥηξάμενος πέδας. Πέτροιο
Ὀυ μακρὰ ἐκγόνοισι νηπυτίη.
Ἄλκιμοι χεῖρες, καίπερ ἁβραὶ
Λαοὺς οἷαι τ' οὖσαι ἄγειν ἀπλέτους,
Ξύμπαντος δὲ κρατῆσαι τε κόσμου.

Встань промчимся въ сонмъ Тирановъ

Крѣпость ихъ разрушимъ стѣнъ,
Гордость усмиримъ Султановъ
Возьмемъ тьмы народовъ въ плѣнъ.
Ты Елладѣ дашь свободу,
Щастье возвратишь народу
Угнѣтенныхъ тѣхъ сторонъ;
Распрострешь для музъ покровы,
Храмы имъ воздвигнешь нóвы,
Гдѣ самъ будешь Аполлонъ.

• • •

Не вотще я то вѣщаю,

Самый рокъ сïе велитъ;
Что звѣзда съ полнощна краю
Южную луну затмитъ.
Злу ты чувствуешь судьбину
Зришь Тиранъ свою кончину
Примешь вскорѣ должну месть.
Капища прейдутъ во храмы;
Въ нихъ вожгутся ѳимïамы
И изчезнетъ гнусна лесть.

Ветхïй

❧ ✦ ❧

Ἔγρε᾽ ἄγ᾽ ἐς Θρακῶν αἴξωμεν
Στίφη, ὀφρὺν ἀνατρεψόμενοι
Ἶφι, ἐπηρμέναν τυράννοιο
Ἀπηνέος, μυρία δ᾽ ὅσ᾽ ἔθνεα
Βίῃ ἀλοῦμεν· Ἑλλάδι σὺ γαρ
Ὄλβιον οἴσεις ἦμαρ, λαὸυς
Δεσμῶν τε λύσεις λευγαλέων·
Μουσῶν ὀφελεῖς τ᾽ ἐρατεινὸν
Κλέος, νέον τεμένη καθιδρύσας,
Ἔσεαι δ᾽ ἦσι σὺ Φοῖβος Ἀπόλλων.

* * *

Ὀυ μὰψ τὸν δ᾽ ἀπέκφρασα λόγον,
Εἱμαρμένα μοι τὸ δ᾽ ἐποτρύνει,
Φαεινὸς ὡς βορῆθεν ὀδρυσίαν
Ἀμυδρώσει σελάναν, ἀςήρ.
Ἤθου δυσμενῆς μοῖραν σὰν
Ὀλοὴν, τεὸν δέρκῃ τε δύσμορον
Πεῖραρ ἱκάνον· θᾶσσον ὑφέξεις
Ὡς εἰκὸς δίκαν· ἱροὶ δ᾽ ἔσονται ναοὶ
Σῶν ἄυτ᾽ ἐκ βωμῶν, λιβανωτὸν ἔνθα θύσομεν
Θέῳ, δολόφρον᾽ ἐλάσαντες ἀπάταν

Ветхій деньми, Богъ превѣчной

Нашъ внемли усердный гласъ;

Дай чтобъ славѣ непресѣчной

Родъ Петровъ процвѣлъ межъ насъ.

Да Еллады для утѣхи

Въ немъ весь узритъ міръ успѣхи

Что ты съ неба обѣщалъ;

Сынъ да ПАВЛА и МАРІИ

Будетъ радость всей Россіи,

И источникъ Грекамъ хвалъ.



Ἄφθιτ᾽, αἰὲν ἐὼν, ὑψιμέδων θεὲ,
Ἑτοίμαν τὰνδε δέχνυσο γῆρυν,
Διηνεκέϊ δ᾽ ὡς Πέτρου ἔκγονος
Κλέεα θάλλοι, δὸς ἐσαεί.
Ὧι κ᾽ ἐνιθεάσαιτο κόσμος ἅπας
Ὑψόθι ᾽πιδόσιας σὺ τὰς οἱ
Νοῦσας Ἑλλάδος πρὸς εὖχος·
ΠΑΥΛΟΙΟ, ΜΑΡΙΉΣ τε ἀγλαὸν
Τέκος ἐς μακρὸν ἔοι τερπωλὰ
Ῥῶσι, παγὰ δ᾽ Ἀχαιοῖσι γε αἶνων.

